हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 12 अंक : 32 देहरादून, शुक्रवार, 21 जुलाई, 2023 मूल्य : एक रुपया पृष्ठ : 08

देहरादून में अब मिलेगी सस्ती सब्जियां
डीएम सोनिका ने किया शानदार काम 3

सीएम धामी ने चमोली दुर्घटना में हताहत होमगार्ड जवानों को दी श्रद्धांजलि

शोक संतप्त परिजनों को सांत्वना देते हुए सीएम ने दिया हर संभव मदद का भरोसा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

चमोली , 21 जुलाई , मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने चमोली हादसे में हुई जनहानि पर गहरा दुःख व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री ने दिवंगत आत्मा की शांति की कामना करते हुए शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। साथ ही घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की भी कामना की है।मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी गुरुवार को चमोली पहुंचे।

चमोली हादसे में हताहत लोगों के परिजनों से मिलकर मुख्यमंत्री काफी भावुक नजर आए। उन्होंने शोक संतप्त परिजनों को सांत्वना देते हुए हर संभव मदद का भरोसा दिलाया। पुलिस मैदान गोपेश्वर में मुख्यमंत्री ने चमोली हादसे में हताहत होमगार्ड के तीनों जवानों के पार्थिव शरीर पर पुष्पचक्र अर्पित करते हुए नम आंखों से श्रद्धांजलि दी।

■ दुर्घटना के कारणों की गहन जांच की जायेगी, दोषियों पर सख्त कार्रवाई : सीएम

मुख्यमंत्री ने कहा कि ये बहुत हृदयविदारक घटना है। हम ईश्वर से प्रार्थना करेंगे कि इस घटना में जो हताहत हुए हैं उन्हें अपने श्री चरणों में स्थान दें और उनके परिजनों को इस दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें। राज्य सरकार की तरफ से मुआवजा, इलाज आदि से संबंधित सभी व्यवस्थाएं की गई हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि दुर्घटना के कारणों की गहन जांच की जायेगी और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जायेगी।मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी चमोली में हुए हादसे में मृतकों के परिजनों से एक -एक कर मिले। उन्होंने सभी को सांत्वना दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि दुःख की इस घड़ी में राज्य सरकार उनके साथ है, सरकार द्वारा इनकी हर संभव मदद की जाएगी।इस दौरान पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज, स्वास्थ्य मंत्री डा.धन सिंह रावत, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेन्द्र भट्ट, विधायकगण एवं अधिकारीगण मौजूद थे।

उत्तराखंड : केदारनाथ हेलीकॉप्टर टिकट के बदले 1400 करोड़ की ठगी, ऐसे हुआ बड़ा खुलासा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड 21 जुलाई : उत्तराखंड पुलिस ने एक बड़ी कामयाबी हासिल करते हुए साइबर ठगी के 3 आरोपियों को धर दबोचा। ये लोग केदारनाथ हेली सेवा के नाम पर लोगों को ठग रहे थे। जांच में पता चला है कि पूरे देश में आरोपियों ने 1400 करोड़ से ज्यादा की ठगी की है। इनके खिलाफ 6100 से ज्यादा शिकायतें मिली हैं। जबकि 280 से ज्यादा केस दर्ज हैं। दूसरे राज्यों के साथ-साथ ये लोग उत्तराखंड में भी लोगों को चूना लगा रहे थे। आरोपियों ने केदारनाथ हेली सेवा के नाम पर 41 फर्जी वेबसाइटें बनाई हुई थीं।

जो भी इन पर टिकट बुक कराता, उससे रकम ऐंठने के बाद ये लोग पीड़ित को फर्जी टिकट दे दिया करते थे। पुलिस ने जांच शुरू की तो पता चला कि आरोपी अब तक सैकड़ों लोगों को इसी तरह ठग चुके हैं। आरोपियों ने 1400 करोड़ की धोखाधड़ी कर कई लोगों की मेहनत

की कमाई लूट ली। एसटीएफ और साइबर सेल मामले की जांच कर रहे हैं। पकड़े गए आरोपी बिहार के नवादा निवासी हैं।

आरोपियों के खिलाफ उत्तराखंड में 5, यूपी में 56, तेलंगाना में 112, दिल्ली में 18, गुजरात में 11, तमिलनाडु में 15, हरियाणा में 9, बिहार में 8, कर्नाटक में 8 और महाराष्ट्र में 7 केस दर्ज हैं। डीजीपी अशोक कुमार ने बताया कि आरोपी हेलिकॉप्टर सेवा के नाम पर लोगों को ठग रहे थे। अब तक इन्होंने 1400 करोड़ की धोखाधड़ी की है। आरोपियों के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट के तहत कारवाई की जाएगी, उनकी संपत्ति जब्त की जाएगी। Kedarnath helicopter ticket फ्रॉड गिरोह के बाकी सदस्यों की तलाश जारी है।

कम्पनी के खिलाफ दर्ज़ होगी एफआईआर : मुख्य सचिव

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 21 जुलाई , चमोली करंट हादसे से दुखी उत्तराखंड सरकार ने कड़े फैसले लेने शुरू कर दिए हैं। इसकी शुरुआत हुयी है एफआईआर से .... मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर मुख्य सचिव डॉ. एस.एस. संधु ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक चमोली को चमोली में एसटीपी का रखरखाव कर रही कम्पनी के खिलाफ एफआईआर दर्ज किए जाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने दोषियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई किए जाने के भी निर्देश दिए हैं।

मंत्री सौरभ बहुगुणा ने उकरौली में हो रहे भू-कटाव क्षेत्र का निरीक्षण

रुद्रपुर। कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा ने प्रशासनिक व सिंचाई विभाग के अफसरों के साथ उकरौली में हो रहे भू-कटाव क्षेत्र का निरीक्षण किया। मंत्री ने सिंचाई विभाग के अफसरों को कटाव रोकने के लिए कैलाश नदी को चैनलाइज करने के निर्देश दिए। कैलाश नदी उकरौली क्षेत्र में बड़े स्तर पर कटाव कर गांव की ओर रुख कर रही है। कैबिनेट मंत्री के निर्देश पर प्रशासन ने यहां कटाव रोकने के लिए तीन स्टड लगाए हैं, लेकिन नदी स्टड लगाए क्षेत्र के आगे डाउन स्ट्रीम में कटाव कर रही है। इससे नदी के नजदीक बने घरों व परिवारों को खतरा बना हुआ है। तहसील प्रशासन ने इन परिवारों को नोटिस देकर घर खाली करने को कहा है। गुरुवार को कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा ने एसडीएम तुषार सैनी, तहसीलदार जगमोहन त्रिपाठी, सिंचाई खंड के ईई बीसी नैनवाल, भाजपा जिलाध्यक्ष कमल जिंदल के साथ उकरौली में भू-कटाव क्षेत्र का निरीक्षण किया। ईई नैनवाल ने बताया कि तटबंध बनाकर कटाव रोकने के लिए प्रस्ताव शासन में लंबित है। कैबिनेट मंत्री ने शासन में अफसरों से वार्ता कर बाढ़ सुरक्षा योजनाओं की जानकारी ली। मंत्री ने ईई को कैलाश नदी को बीच से चैनलाइज करने का काम तत्काल करने के निर्देश दिए, ताकि नदी का जलस्तर बढने पर पानी सीधे निकले और कटाव रुके।

देहरादून में शुरू होने जा रही है टिहरी की ऐतिहासिक रामलीला, 1952 का है इतिहास

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 21 जुलाई : पुरानी टिहरी की ऐतिहासिक रामलीला के बारे में कौन नहीं जानता। 1952 से चल रही इस रामलीला का मज़ा अब देहरादून वाले भी ले सकेंगे। जी हां, इस रामलीला को पुर्नजीवित किया जाएगा। श्री रामकृष्ण लीला समिति टिहरी 1952, देहरादून" द्वारा ये फैसला लिया गया है।

इस बार देहरादून के "टिहरी नगर" में पुरानी टिहरी की रामलीला का आयोजन किया जाएगा। 1952 से पुरानी रामलीला अपने-आप में ही खास है और इसका एक विस्तृत इतिहास भी है ,समिति द्वारा बैठक में निर्णय लिया गया है कि पुरानी टिहरी की ऐतिहासिक रामलीला का आयोजन आने वाले शारदीय नवरात्रों में किया जाएगा।

15 अक्टूबर 2023 से रामलीला का मंचन किया जाएगा। श्री रामकृष्ण लीला समिति टिहरी 1952, देहरादून के अध्यक्ष अभिनव थापर ने बताया कि टिहरी की रामलीला अपने आप में बहुत बड़ा इतिहास समेटे हुए है। यह रामलीला 1952 से पुरानी टिहरी डूबने तक और टिहरी के जलमग्न होने के बाद अब नई टिहरी में कई वर्षो से की जा रही है। अब यह देहरादून में भी की जाएगी। जिससे देहरादून वाले भी नई टिहरी की रामलीला का आनंद उठा पाएंगे।

न्यूली मैरिड कपल इन 5 बातों का रखें ख्याल, जिदंगी भर रहेगा प्यार

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 21 जुलाई , शादी के पवित्र बंधन को हमेशा अटूट बनाए रखने के लिए आपको कुछ ख़ास बातों का ध्यान जरूर रखना चाहिए क्योंकि शादी की शुरुआती समय बहुत ही नाजुक होता है. ऐसे में छोटी सी गलती आपके वैवाहिक जीवन को खराब कर सकती है. इसलिए आपको अपने पार्टनर के साथ ऐसा व्य-वहार करना चाहिए. जिससे दोनों परिवार के बीच अच्छा रिलेशन बना रहे, लेकिन ये काम आसान नहीं होता है. आपको इन बातों का जरूर ध्यान रखना चाहिए.

इस तरह अपने रिश्ते को करें मजबूत

शादी के बाद दो परिवार एक हो जाते हैं. ऐसे में इन परिवार के सदस्यों के बीच प्यार बढ़ाना कपल्स का काम होता है. अगर वे एक-दूसरे के रिश्तेदारों के साथ बातचीत करेंगे तो उन लोगों के बीच अच्छा बॉन्ड बनेगा और इसी तरह आपका रिश्ता मजबूत होता चला जाएगा.

अपने पार्टनर को दें स्पेस

शादी का मतलब ये नहीं होता है कि आप अपने पार्टनर के हर डिसीजन पर दखलअंदाजी करें. आपको एक-दूसरे का ख्याल रखना चाहिए और डेली लाइफ के डिसीजन में कम से कम हस्तक्षेप करना चाहिए. अगर आप रोजाना के काम में हस्तक्षेप करेंगे तो आपके रिलेशन खराब हो सकते हैं.

अपने गोल जरूर शेयर करें

आपको अपने लाइफ पार्टनर के साथ इन बातों को जरूर शेयर करना चाहिए. आप भविष्य में जो कुछ भी करने वाले हैं उसके बारे में अपने पार्टनर को जरूर बताएं. ऐसा करने से आपका पार्टनर आपके काम में दिलचस्पी लेगा और आपको सपोर्ट भी करेगा.

रोक-टोक अच्छी बात नहीं

अगर आप नए रिलेशन में आए हैं तो आपको ज्यादा रोक-टोक नहीं करना चाहिए क्योंकि आपका रिश्ता नया है. ऐसे में आपको एक-दूसरे को जानना चाहिए. उसके बाद ही हस्तक्षेप करना चाहिए. इस तरह आप नए रिलेशन में थोड़ा एडजस्ट जरूर करें.

बातचीत जरूर करें

विशेषज्ञ ऐसा मानते हैं कि ज्यादातर रिश्ते इसलिए टूटते हैं क्योंकि उनके बीच सही तरह से बातचीत नहीं हो पाती है. अगर आप अपने रिलेशन को मजबूत बना कर रखना चाहते हैं तो आपको दिल खोलकर एक-दूसरे से बात करनी चाहिए. अगर आप सभी बातें एक-दूसरे से साझा करेंगे तो आपस में गलतफहमी नहीं होगा।

उत्तराखंड के इस जिले में बनाई जाएंगी 10 झीलें

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

पौड़ी 21 जुलाई : 'उत्तराखंड का पौड़ी जिला' यहां पर्यटन की अथाह संभावनाएं हैं। ऐसे में जिलाधिकारी ने यहां पर्यटन की संभावनाओं को और अधिक बढ़ाने के लिए अब कृत्रिम झीलों को तैयार किया जाएगा। जी हां, अब यह खूब सारी झीलों का शहर बनने जा रहा है। जनपद के विभिन्न इलाकों में अब झीलें बनने जा रही हैं। सिंचाई विभाग ने इस सम्बंध में प्रस्ताव शासन को भेज दिया है। फिलहाल शासन ने इन दस झीलों में से एक झील के लिए बजट अवमुक्त कर दिया है।

विभाग की मानें तो झीलों के बनने से जल संचय में मदद मिलेगी और इससे जनपद में कई नए पर्यटक डेस्टिनेशन पर पर्यटकों की आमद भी बढ़ेगी। इसमें जयहरीखाल, द्वारीखाल, रेन्द्रीगाड़, थलीसैंण में दो, बीरोंखाल यमकेश्वर दुगड्डा, और यमकेश्वर में झील बनना प्रस्तावित है। यह सभी झीलें मुख्यमंत्री की घोषणा के आधार पर बनाई जा रही हैं।

उन्होंने बताया कि ये सभी झीलें पेयजल समस्या, पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए बनाई जा रही हैं। इसके साथ ही इन झीलों से पानी को सिंचाई के लिए भी किसान उपयोग कर सकेंगे। कुल मिलाकर वैसे तो पौड़ी में पर्यटन की प्रचुरता में संभावनाएं हैं मगर इन झीलों के बनने के बाद यहां पर्यटकों का खूब सैलाब उमड़ेगा जिससे कारोबारियों को मुनाफा होगा और स्टेट को भी फाइनेंशियली लाभ होगा।

विवि के साढ़े तीन सौ कर्मियों को मिलेगा एनपीएस ग्रेच्युटी का लाभ

श्रीनगर गढ़वाल। हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल केंद्रीय विवि के 350 से अधिक शिक्षक व कर्मचारियों को नई पेंशन योजना(एनपीएस) के तहत नियुक्त शिक्षकों व कर्मचारियों को ग्रेच्युटी का लाभ मिलेगा। इसे विवि की फाइनेंस कमेटी व कार्य परिषद की अनुमति मिलने पर विवि प्रशासन ने इसका आदेश जारी कर दिया है। इससे सेवानिवृत्ति पर शिक्षकों व कर्मचारियों को 20-20 लाख रुपये से अधिक धनराशि का लाभ मिलेगा। साथ ही सेवानिवृत्ति पर 300 दिनों के अर्जित अवकाश के बदले नगदीकरण की सुविधा भी मिलेगी।

गढ़वाल विवि के टीचर वेलफेयर सोसायटी के सचिव प्रो. आरएस फत्र्याल व कर्मचारी नेता मनोज नेगी ने कहा कि 2005 से पहले विवि में नियुक्त होने वाले शिक्षकों और कर्मचारियों को उनकी सेवानिवृत्ति पर ग्रेच्युटी भी मिला करती थी। एनपीएस लागू होने पर ग्रेच्युटी का प्रावधान भी विवि में समाप्त हो गया। कहा एनपीएस में भी ग्रेच्युटी दिलवाने और अर्जित अवकाश का नगदीकरण को लेकर लगातार विवि प्रशासन से मांग की जाती रही। मनोज नेगी ने कहा कि उक्त मांग को लेकर कई बार शिक्षा मंत्रालय सहित उत्तराखंड सरकार के शिक्षा मंत्री डा. धन सिंह रावत को भी ज्ञापन दिए गए। उन्होंने बताया कि बीते 30 जून को विवि की वित्त कमेटी ने इस प्रस्ताव को मंजूरी दी व दो जुलाई को कार्य परिषद की बैठक में भी इसे अंतिम रूप से स्वीकृति दी गई। जिस पर गत 17 जुलाई को विवि ने इस संदर्भ में आदेश जारी कर दिया। शिक्षकों व कर्मचारियों ने इसके लिए कुलपति प्रो. अन्नपूर्णा नौटियाल व वित्त अधिकारी एसके श्रीवास्तव की सकारात्मक पहल के लिए आभार व्यक्त किया है।

डीएम मयूर ने बौराड़ी में पुस्तकालय का निरीक्षण किया

नई टिहरी। डीएम मयूर दीक्षित ने जिला मुख्यालय के बौराड़ी में स्थित श्री देव सुमन राजकीय पुस्तकालय व घंटाघर का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान डीएम ने सुरक्षा को देखते हुए घंटाघर में ऊपर जानी वाली सीढ़ियों को बंद करने के निर्देश दिए। लाइब्रेरी में 3 हजार बुक्स बंडलों में बंद मिलने पर नाराजगी जाहिर की। शिक्षा विभाग को लाइब्रेरी की स्थिति सुधारने के निर्देश दिए। गुरुवार को डीएम मयूर ने पुस्तकालय के साथ ही घंटाघर का निरीक्षण किया। पुस्तकालय में रीडिंग रूम सहित तमाम व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

राजा राममोहन फाउंडेशन की पुस्तकालय को दी गई 3 हजार बुक्स बंडलों के पैक मिलने पर डीएम ने नाराजगी जाहिर कर कहा कि पुस्तकों को उपयोग में लाया जाय। पुस्कालय में डीएम ने 100 साल पुराना रिकार्ड भी देखा। अध्यापकों की मदद से लाइब्रेरी को बेहतर बनाने के निर्देश दिए। किताबों की छंटनी कर लाइब्रेरी को व्यवस्थित करने को कहा।

देहरादून में अब मिलेगी सस्ती सब्जियां डीएम सोनिका ने किया शानदार काम

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 21 जुलाई : अगर आप भी देहरादून में रहते हैं और सब्जियों के आसमान छूते हुए दामों से परेशान हैं, तो जरा इस खबर को अंत तक पढ़ लीजिए। यह खबर आपको भी राहत देगी। देहरादून में टमाटर और अन्य सब्जियों के दामों में मुनाफाखोरी रोकने के लिए अब जिला प्रशासन ने कमर कस ली है। अब से रोजाना टमाटर और सब्जियों की रेट लिस्ट सोशल मीडिया पर प्रसारित करेगा। जिलाधिकारी सोनिका ने इसके निर्देश दिए हैं। उन्होंने मंडी निरीक्षक और पूर्ति निरीक्षक को नियमित रूप से मंडियों का निरीक्षण करने और थोक व फुटकर की प्रत्येक दुकान पर सब्जियों की रेट लिस्ट चस्पा करने के निर्देश दिए।

दरअसल, पिछले कुछ दिनों से देहरादून में यह देखा जा रहा था के सब्जियों के दाम आसमान छू रहे हैं सब्जी विक्रेता मनचाहे भाव बता कर लोगों को सब्जियां दे रहे हैं कहीं पर टमाटर का दाम दो सौ तो कहीं पर ढाई सौ तक भी जा रहा था जिस वजह से लोगों को मुश्किल हो रही थी। सब्जियों के दाम आसमान छू रहे हैं, और खासकर टमाटर आम लोगों के दायरे से बाहर होता जा रहा है। फुटकर में टमाटर और सब्जियों को मनमाने दामों में बेचा जा रहा है। दामों को नियंत्रित करने के लिए जिला प्रशासन की ओर से टमाटर के दाम तय किए हैं, लेकिन इसके बाद भी फुटकर विक्रेता मनमाने दाम वसूल रहे हैं।

ऐसे में मुनाफाखोरी रोकने के लिए बीते दिन जिलाधिकारी सोनिका ने संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक की। उन्होंने टीमों को अपने-अपने क्षेत्रों में नियमित निरीक्षण करने के निर्देश दिए। डीएम ने कहा कि मंडियों में सब्जियों के दामों में एकरूपता रहे, इसके लिए जिला जिला पूर्ति अधिकारी एवं मंडी निरीक्षक प्रत्येक खुदरा एवं फुटकर सब्जी की दुकानों, ठेली, रेहड़ी पर सब्जियों की रेट लिस्ट चस्पा करें और रोजाना की दरों की सूची करें। उन्होंने कहा, रोजाना सब्जी की लिस्ट जिला प्रशासन के सोशल मीडिया अकाउंट पर भी प्रसारित की जाएगी। डीएम सोनिका ने निर्देश दिए कि मुनाफाखोरी करने वालों के खिलाफ कड़ी की जाएगी.

पुलिस महानिरीक्षक गढ़वाल और सचिव पेयजल ने किया चमोली का दौरा

निष्पक्ष एवं प्रभावी कार्यवाही के निर्देश : डीआईजी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

चमोली , 21 जुलाई , अलकनंदा नदी के पास बने नमामि गंगे परियोजना के सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) में करंट फैलने के कारण हुई वीभत्स दुर्घटना जिसमें अधिक संख्या में हुई जनहानि की गंभीरता को देखते हुए पुलिस महानिरीक्षक गढ़वाल परिक्षेत्र करन सिंह नगन्याल ने सचिव पेयजल अरविन्द सिंह ह्यांकी, विद्युत सुरक्षा व प्रशासन की संयुक्त टीमों के साथ घटनास्थल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान घटनास्थल के आस पास की पूरी जानकारी जुटाने के साथ ही दुर्घटना के कारणों की निष्पक्ष एवं प्रभावी कार्यवाही के निर्देश दिए गए।

इस भीषण दुर्घटना में मुख्यमंत्री के आदे-शानुसार जिलाधिकारी चमोली को मजिस्ट्रियल जांच के आदेश दिए गए थे। जिसमें अपर जिलाधिकारी डॉ0 अभिषेक त्रिपाठी को जांच अधिकारी नियुक्त करते हुए एक सप्ताह के अन्दर दुर्घटना की मजिस्ट्रियल जांच पूरी करने के आदेश दे दिए गए हैं।इस दौरान पुलिस अधीक्षक चमोली प्रमेन्द्र डोबाल, पुलिस उपाधीक्षक कर्णप्रयाग अमित सैनी, पुलिस उपाधीक्षक ऑपरेशन नताशा सिंह, पुलिस उपाधीक्षक चमोली प्रमोद शाह व विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

मेयर के भ्रष्टाचार की निष्पक्ष जांच ना हुई तो होगा आंदोलन : रविंद्र सिंह आनंद

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 21 जुलाई , आम आदमी पार्टी के प्रदेश पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने सतर्कता विभाग के कारगी चौक स्थित कार्यालय पर धावा बोला एवं जोरदार नारेबाजी की।इस दौरान प्रदेश प्रवक्ता एवं गढ़वाल मीडिया प्रभारी रविंद्र सिंह आनंद ने कहा कि देहरादून के मेयर श्री सुनील उनियाल गामा द्वारा आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने की सतर्कता विभाग को जांच हेतु तीन माह पूर्व ज्ञापन सौंपा गया था जिसमें सुनील उनियाल गामा द्वारा वर्ष 2018 में चुनाव अधिकारी को दिए गए अपने शपथ पत्र में उनके और उनकी धर्मपत्नी के पास दिखाई गई संपत्ति की तुलना में , वर्तमान में सुनील उनियाल गामा की संपत्ति में बेतहाशा वृद्धि हुई है वहीं दूसरी ओर सुनील उनियाल गामा की संपत्ति में आय से अधिक संपत्ति का खुलासा एक आरटीआई के माध्यम से भी सार्वजनिक किया गया था।

इसलिए आम आम आदमी पार्टी ने इस आशय से कि आम जनमानस को यह जानने का पूर्ण अधिकार है कि मेयर के पद पर आसीन होने के बाद श्री गामा जी ने ऐसा कौन सा कार्य किया जिससे अल्पकाल में ही उनकी संपत्ति लाखों से बढ़कर अरबों रुपए हो गई जिसमें विजिलेंस विभाग द्वारा हमारे ज्ञापन पर ना तो कोई संज्ञान लिया गया और ना ही कोई पत्राचार के माध्यम से हमें सूचना भेजी गई ।उन्होंने बताया इसी के विरोध में आज आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने विजिलेंस कार्यालय पर उग्र प्रदर्शन किया। आनंद ने आगे बताया की आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता नारेबाजी करते हुए कार्यालय में दाखिल हुए जहां पर सीओ विजिलेंस पूर्णिमा गर्ग को उन्होंने ज्ञापन सौंपकर जल्द कार्रवाई की मांग की।

इस पर सीओ विजिलेंस पूर्णिमा गर्ग द्वारा आश्वस्त किया गया एवं जल्द ही इस मामले की जांच कर सूचना आम आदमी पार्टी कार्यालय एवं शासन को भेजने की बात कही एवं निष्पक्ष जांच की बात कही। इस मौके पर प्रदेश उपाध्यक्ष उमा सिसोदिया ने कहा की मेयर सुनील उनियाल गामा की आय से अधिक संपत्ति के मामले में जांच करने हेतु ज्ञापन में अब तक कोई कार्यवाही ना होने से आम आदमी पार्टी के सभी कार्यकर्ता रोष में है। उन्होंने कहा कि यदि जल्दी इस पर कोई कार्यवाही ना हुई तो इसी प्रकार धरने प्रदर्शन होते रहेंगे। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता सतर्कता विभाग से यह मांग करते हैं कि आप जल्द से जल्द इस मामले को अपने निजी स्तर से जांच करते हुए उचित कार्रवाई करेंगे अन्यथा हमें उग्र आंदोलन के लिए मजबूर होना होगा।इस दौरान प्रदेश प्रवक्ता विपिन खन्ना, सुशील सैनी, रेहाना परवीन, सीपी सिंह, सुधा पटवाल, कासिम चौधरी, अरमान बैग, वसीम खान, वाहिद सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे ।

क्या आपको पता है गारंटी और वारंटी के बीच का असली फर्क ?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 21 जुलाई : वैसे तो हम सभी को रोजाना कुछ न कुछ खरीदना ही पड़ता है लेकिन जब कोई महंगी चीज खरीदी जाती है, तो उससे जुड़े हुए मैनुअल और गारंटी-वारंटी कार्ड के बारे में जांच-पड़ताल करना बेहद जरूरी हो जाता है. अगर आपने इसमें कोई गलती की तो आने वाले वक्त में मुश्किलें उठानी पड़ सकती है. खासतौर पर मशीनरी या इलेक्ट्रॉनिक सामान की गारंटी-वारंटी का ख्याल रखना बहुत ज़रूरी है.

ये तो बात हुई इन दो खास टर्म्स की ज़रुरत की. अब बात इनके बीच के उस अंतर की, जिसको बहुत से लोग जानते ही नहीं है. दिलचस्प ये भी है कि बहुत से लोग तो गारंटी और वारंटी को एक ही समझ लेते हैं. जबकि असल में इनके बीच काफी फर्क होता है, जो एक जागरूक ग्राहक को समझना ज़रूरी है. अगर ये पता होगा तो आप बड़े खर्चे से बच जाएंगे. तो चलिए समझते हैं इन दो टर्म्स के बीच का फर्क.

गारंटी वो सुविधा है, जो आपके प्रोडक्ट के खराब होने की स्थिति में आपको बड़ा फायदा करा सकती है और दुकानदार का नुकसान. जी हां, अगर किसी उत्पाद में खराबी होती है, तो गारंटी की स्थिति में उसे या कंपनी को प्रोडक्ट ही सीधे तौर पर बदलना पड़ता है. खराब प्रोडक्ट की जगह आपको नया प्रोडक्ट मिल जाता है. इसे ही गारंटी कहा जाता है और इसके लिए प्रोडक्ट के साथ एक कार्ड मिलता है, जिसमें गारंटी की अवधि भी लिखी हुई होती है.

सुनने में दोनों टर्म्स एक से लगते हैं लेकिन असल में वारंटी, गारंटी से अलग होती है. गारंटी में सामान ही बदल जाता है लेकिन वारंटी में प्रोडक्ट को बदला नहीं जाता है लेकिन उसे बिना किसी चार्ज के ठीक करके दिया जाता है. वारंटी को भी पीरियड होता है और इसस पीरियड में अगर ये खराब हुआ, तो समझिए आपके प्रोडक्ट का पार्ट बदल जाएगा, लेकिन आपको पैसे नहीं देने होंगे. गारंटी और वारंटी कार्ड में

कुछ शर्तें लिखी होती हैं, जिन्हें आपको ठीक तरह से पढ़ना होता है. ज्यादातर केसेज़ में वारंटी की अवधि 1 साल होती है. कई बार पूरे प्रोडक्ट तो कई बार कुछ पार्ट की ही वारंटी होती है, ऐसे में आपको इसे ठीक तरह समझ लेना चाहिए.

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस बच्चे यानी AI बेबी बनेंगे निःसन्तानों के लिए वरदान

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 21 जुलाई , अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस बच्चे यानी AI बेबी पैदा होंगे. इस तकनीक की मदद से भ्रूण के विकसित होने के दौरान कई चीजों की भविष्यवाणी की जा सकेगी. जैसे- यह भ्रूण कितना सफल होगा. इसमें अनुवांशिक बीमारियां ट्रांसफर होंगी या नहीं. और उन चीजों के बारे में भी बताया जा सकेगा, जिसे इंसानी आंखों नहीं देख पा रही हैं. अमेरिका में इस तकनीक का इस्तेमाल करके AI बेबी पैदा किए जा सकेंगे. इसकी तैयारी पूरी हो गई है.

क्या है AI बेबी ?

डेलीमेल की रिपोर्ट के मुताबिक, इस तकनीक का इस्तेमाल आईवीएफ प्रॉसेस में होगा. आईवीएफ एक तरह का फर्टिलिटी ट्रीटमेंट जिसका इस्तेमाल उन लोगों के लिए किया जाता है जो बच्चा पैदा करने में असमर्थ हैं. इस प्रक्रिया के जरिए बांझपन का इलाज किया जाता है. आईवीएफ प्रक्रिया के दौरान भ्रूण को विकसित करके महिला के गर्भ में ट्रांसप्लांट किया जाता है.

नया तरीका क्यों राहत देने वाला साबित हो सकता है, अब इसे समझ लेते हैं. दरअसल, आईवीएफ की प्रक्रिया के दौरान भ्रूण विकसित किया जाता है. इसके बाद यह जांचा जाता है कि भ्रूण का विकास सफल-तापूर्वक हुआ या नहीं. इसके बाद ही भ्रूण को महिला के गर्भ में ट्रांसप्लांट किया जाता है.जांच की यह प्रक्रिया काफी महंगी है. दुनिया के कई देशों में इसके एक सेशन के लिए करीब 10 लाख रुपए लिए जाते हैं. इसके बाद ही भी गारंटी नहीं होती है कि नया भ्रूण सफल होगा. रिपोर्ट के मुताबिक,

दुनियाभर में आईवीएफ के मामलों में सक्सेस रेट मात्र 24 फीसदी ही होता है.

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस बच्चे बनेंगे निःसन्तानों के लिए वरदान

रिपोर्ट के मुताबिक, आईवीएफ प्रक्रिया के दौरान आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के जरिए उसका सक्सेस रेट बढ़ाया जा रहा है. दावा किया गया है कि AI अल्गोरिदिम का प्रयोग करके आईवीएफ का सक्सेस रेट 30% तक भी बढ़ाया जा सकता है. प्रेग्नेंसी के मामले में फिलहाल इस तकनीक का इस्तेमाल यूरोप, एशिया, दक्षिण अमेरिका में हो रहा है. अब अमेरिका में बड़े स्तर पर इसकी शुरुआत हो सकती है

पेट्रोल-डीजल भराते समय मीटर पर सिर्फ '0' नहीं, डेंसिटी भी करें चेक

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 21 जुलाई ,क्या आपने पेट्रोल की शुद्धता और उनके चोरी पर कभी ध्यान दिया है. आजकल पेट्रोल पंपो पर पेट्रोल और डीजल की चोरी एक आम बात हो गई है. अक्सर आप पेट्रोल भराते समय सिर्फ जीरो पर ही ध्यान देते हैं. दरअसल पेट्रोल पंप पर तेल भरवाते वक्त सिर्फ मीटर पर 0 ही नहीं बल्कि उसकी डेंसिटी पर भी ध्यान देना चाहिए नहीं तो आपको लाखों का चूना लग सकता है. आप को बता दे की सरकार ने पेट्रोल की डेंसिटी 730 से 800 किलोग्राम प्रति क्यूबिक और डीजल की डेंसिटी 830 से 900 किलोग्राम प्रति क्लूबिक मीटर निर्धारित कर रखी है.

ऐसे चेक करें पेट्रोल-डीजल का घनत्व

पेट्रोल डीजल भरवाते समय आप कई बार सोचते होंगे कि कहीं तेल में कोई मिलावट तो नहीं है. लेकिन इसके बाद भी आप इस बात पर ज्यादा ध्यान नहीं देते हैं. तो ऐसे में सरकार ने तेल में मिलावट की जांच के लिए एक मानक तय किया है. इसके जरिए आप तेल का घनत्व जांच सकते हैं. इसमें पेट्रोल का घनत्व 730 से 800 KM/M3 (किलोग्राम/घन मीटर) और डीजल का घनत्व मानक 830 से 900 Kg/M3 है. हालाँकि, यह सीमा निश्चित नहीं है क्योंकि पेट्रोल और ईंधन का घनत्व तापमान के अनुसार बदलता रहता है.

पेट्रोल-डीजल की शुद्धता की पहचान कैसे करें ?

आप खुद भी पेट्रोल और डीजल की शुद्धता की जांच कर सकते हैं. इसके लिए आपको एक फिल्टर पेपर की जरूरत है, फिल्टर पेपर पर दो बूंद तेल की डालें. फिल्टर पेपर से बूंद सूखने के बाद यदि फिल्टर पेपर पर गहरा दाग रह जाए तो समझ लें कि तेल में मिलावट है. इसके बाद भी अगर आपको संदेह हो तो आप डेंसिटी जार से इसकी जांच करा सकते हैं.

सभी प्रॉपर्टी अब जुड़ेगी आपके आधार से, गोरखधंधे पर लगेगी रोक !

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 21 जुलाई , चाहे आपको नया सिम कार्ड लेना हो, बैंक में अपना अकाउंट खुलवाना हो... पैन कार्ड यूज करना हो या किसी सरकारी योजना का लाभ उठाना हो, आधार की जरूरत पड़ ही जाती है. इसने लोगों के लिए भी और सरकार के लिए भी काम को आसान बनाया है. हाल ही में आधार से पैन को लिंक करने की डेडलाइन समाप्त हुई है. अब आधार से एक और डॉक्यूमेंट को लिंक करने की जरूरत पड़ सकती है.

दिल्ली हाई कोर्ट में सुनवाई

दरअसल मांग की जा रही है कि देश भर में प्रॉपर्टी के डॉक्यूमेंट्स को आधार से लिंक किया जाना चाहिए. इससे भ्रष्टाचार, काला धन और बेनामी संपत्ति के लेन-देन पर रोक लगेगी. इस संबंध में दिल्ली उच्च न्यायालय में एक याचिका दायर की गई है. उच्च न्यायालय ने याचिका पर सुनवाई करते हुए सरकार से मामले में जवाब मांगा है.

याचिकाकर्ता ने दिए ये तर्क

दिल्ली उच्च न्यायालय में यह याचिका दायर की है वकील अश्विनी उपाध्याय ने. वकील अश्विनी उपाध्याय का कहना है कि भ्रष्टाचार, काला धन और बेनामी संपत्ति के खिलाफ कड़े कदम जरूरी हैं. देश भर में कुछ लोगों ने अवैध तरीके से संपत्तियां बनाई हैं. प्रॉपर्टी खरीदकर बड़े पैमाने पर काला धन को ठिकाने लगाया गया है.

अगर प्रॉपर्टी के डॉक्यूमेंट को आधार से लिंक कर दिया जाता है, तो ऐसे मामले आसानी से पकड़ में आ सकते हैं.

सरकार को 4 सप्ताह का समय

दिल्ली उच्च न्यायालय ने नागरिकों की संपत्ति के दस्तावेज को उनकी आधार संख्या से जोड़ने के अनुरोध वाली याचिका पर सुनवाई करते हुए सरकार से जवाब देने को कहा. हाई कोर्ट ने भ्रष्टाचार, काला धन और बेनामी लेन-देन पर अंकुश लगाने से जुड़ी याचिका पर जवाब दाखिल करने के लिए केंद्र सरकार को 4 सप्ताह का समय प्रदान किया.

इन मंत्रालयों से मांगे गए जवाब

मुख्य न्यायाधीश सतीश चंद्र शर्मा और न्यायमूर्ति संजीव नरूला की पीठ ने वित्त, कानून, आवास एवं शहरी मामलों और ग्रामीण विकास मंत्रालयों को याचिका पर अपनी प्रतिक्रिया दाखिल करने के लिए चार सप्ताह का समय दिया. अब इस मामले पर अदालत में अगली सुनवाई पांच सितंबर को होगी. अदालत ने गृह मंत्रालय से भी इस मामले पर जवाब की मांग की है.

ITR भरने वालों के लिए इनकम टैक्स विभाग ने किया बड़ा ऐलान

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 21 जुलाई , साल 2022-23 की में हुई कमाई के लिए इनकम टैक्स रिटर्न (ITR) फाइल करने की लास्ट डेट जैसे-जैसे नजदीक आ रही है, आईटीआर फाइलिंग के आंकड़े बढ़ते जा रहे हैं। 18 जुलाई तक करीब 3.06 करोड़ ITR फाइल हो चुके हैं। इसी बीच आयककर विभाग ने इनकम टैक्स रिटर्न से जुड़ा एक बड़ा ऐलान किया है। आइए जानते हैं आखिर क्या है अपडेट?

दरअसल, इनकम टैक्स विभाग ने कहा है कि इनकम टैक्स रिटर्न दाखिल करते समय लोगों को अपने विदेशी बैंक खाते और संपत्ति का ध्यान रखने के लिए भी कहा है। इनकम टैक्स विभाग की ओर से ट्वीट कर कहा गया है- "कृपया ध्यान दें! विदेशी बैंक खाते, संपत्ति और आय धारक! यदि आपके पास विदेशी बैंक खाते, संपत्ति या आय है तो कृपया निर्धारण वर्ष 2023-24 के लिए आयकर रिटर्न (आईटीआर) में विदेशी संपत्ति (एफए)/आय के विदेशी स्रोत (एफए-सआई) अनुसूची भरें। निर्धारण वर्ष 2023-24 के लिए आयकर रिटर्न दाखिल करने की अंतिम तिथि : 31 जुलाई, 2023 है।

लग सकता है 10 लाख रुपए तक जुर्माना

इसके अलावा, इनकम टैक्स विभाग ने ये भी कहा है कि अगर कोई विदेशी बैंक खाते, संपत्ति और आय से जुड़ी सूचना देने में विफल रहता है तो उस पर काला धन (अघोषित विदेशी आय और संपत्ति) और कर अधिरोपण अधिनियम, 2015 के तहत 10 लाख रुपए का जुर्माना लगाया जा सकता है। ऐसे में वे लोग जिनके पास विदेशी संपत्तियां या बैंक खाते हैं, या फिर उन्होंने विदेशों से इनकम कमाई है तो उसका ब्योरा ITR फाइल करते वक्त जरूर दें।

टैक्सपेयर रखें इस बात का ध्यान

कर दाता इस बात का ध्यान रखें कि भारत में 31 दिसंबर 2022 तक निवास करने वाले को उसके स्वामित्व वाली विदेशी संपत्ति के लिए विदेशी आस्ति अनुसूची भरनी होगी। भले ही आपकी कोई Taxable Income नहीं है या आपकी इनकम मूल छूट सीमा के अंतर्गत आती है। बता दें कि विदेशी आस्तियों (FA) में विदेशी बैंक खाते, विदेशी इक्विटी और ऋण, किसी इकाई/व्यापार में वित्तीय हित, अचल संपत्ति या कोई अन्य पूंजीगत आस्ति शामिल हैं।

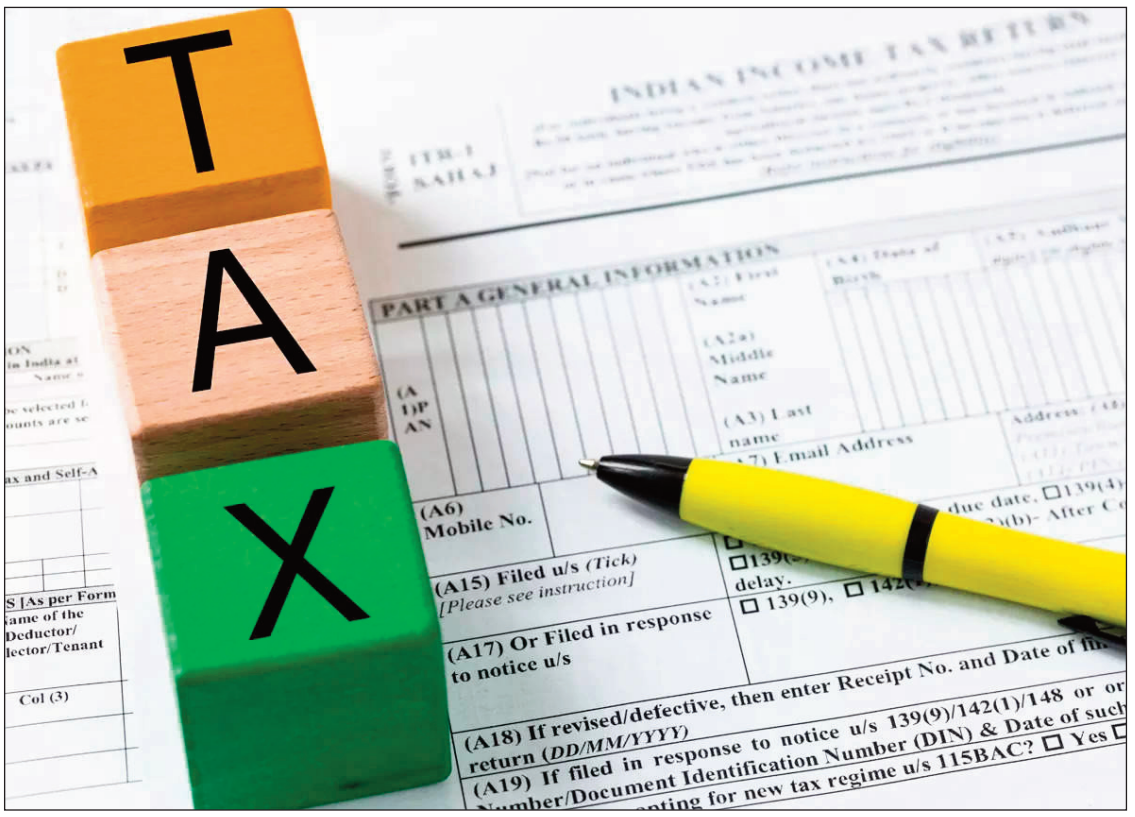

उत्तराखंड का संदीप, सेना में ड्यूटी के दौरान भी नहीं छोड़ी पढ़ाई, अब NDA परीक्षा में लहराया परचम

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

पिथौरागढ़ 21 जुलाई : कड़ी मेहनत को अपना साथी बना लिया जाए तो हर चुनौती पर जीत हासिल की जा सकती है। पिथौरागढ़ के होनहार युवा संदीप चंद ने इस बात को सच कर दिखाया। संदीप ने सेना में रहते हुए एनडीए की परीक्षा पास की है। इस तरह संदीप के पास अब सेना में अफसर बनने का मौका होगा। संदीप की इस उपलब्धि से उनके परिवार में जश्न का माहौल है, घर पर बधाई देने वालों का तांता लगा है। संदीप मूलरूप से पिथौरागढ़ के दूरस्थ गांव सल्ला चिंगरी के रहने वाले हैं।

उनकी शुरुआती पढ़ाई गांव के सरकारी स्कूल से हुई। बाद में उन्होंने पिथौरागढ़ के राजकीय इंटर कॉलेज से इंटर किया। सामान्य परिवार से ताल्लुक रखने वाले संदीप के पिता महेश चंद पहले दिल्ली की एक निजी कंपनी में जॉब करते थे, लेकिन वर्तमान में वह गांव में रह रहे हैं। संदीप हमेशा से सेना में जाना चाहते थे। कुछ समय बाद वो भारतीय सेना की गोरखा रेजीमेंट में भर्ती हो गए।

आमतौर पर एक मुकाम हासिल करने के बाद लोग मेहनत करना छोड़ देते हैं, लेकिन संदीप ने कुछ और ही ठान रखा था।

वो सेना में अफसर बनना चाहते थे। इसके लिए उन्होंने ड्यूटी के साथ ही पढ़ाई भी जारी रखी। यह उनकी कड़ी मेहनत और लगन का ही परिणाम है कि आज उन्होंने एनडीए के परीक्षा पास कर ली है। संदीप ने अपनी उपलब्धि का श्रेय अपने माता-पिता एवं अन्य परिजनों को दिया है। न्यूज़ वायरस टीम की ओर से संदीप को शुभकामनाएं,

अक्षय कोंडे के बागेश्वर एसपी बनने पर डीआईजी ने दिया शानदार फेयरवेल

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 21 जुलाई , पुलिस अधीक्षक यातायात अक्षय कोंडे, के पुलिस अधीक्षक बागेश्वर के पद पर स्थानांतरण होने पर पुलिस कार्यालय देहरादून में विदाई समारोह किया गया डीआईजी/ एसएसपी देहरादून द्वारा अक्षय कोंडे, को नवनियुक्ति पर दी अपनी शुभकामनाएं तथा उनके उज्जवल भविष्य की कामना के साथ विदाई दी ।

विदाई समारोह के दौरान पुलिस उपमहा-निरीक्षक/ वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देहरादून दिलीप सिंह कुंवर ने अक्षय कोंडे के पुलिस अधीक्षक यातायात के पद पर रहते हुए उनके द्वारा जनपद देहरादून में यातायात के सुधार हेतु किए गए प्रयासों की सराहना की तथा तथा नवनियुक्त स्थान पर भी इसी प्रकार सकारात्मक ऊर्जा के साथ प्रभावी पुलिसिंग करने की कामना की गई।

आपको बता दें क़ी अक्षय कोंडे 21-12-2021 सेः 20-07-23 तक जनपद देहरादून में पुलिस अधीक्षक यातायात के पद पर तैनात रहे। विदाई समारोह के दौरान पुलिस अधीक्षक नगर, अपर पुलिस अधीक्षक दूरसंचार, समस्त क्षेत्राधिकारी जनपद देहरादून व अन्य अधिकारी/कर्मचारी गण उपस्थित रहे।

आपको को भी है सुबह उठते ही फोन देखने की आदत, तो जान लें इसके नुकसान

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 21 जुलाई : आजकल के समय में मोबाइल हर किसी के जिंदगी का अहम हिस्सा बन चुका हैं। हम हर वक्त फोन का इस्तेमाल करते हैं।फोन से इतना जुड़ गए हैं कि रात को सोने से पहले और सुबह उठते ही हमें सिर्फ अपना फोन ही नजर आता है। हम सभी सुबह उठते ही फोन का इस्तेमाल करने लगते हैं, लेकिन क्या आपको यह पता हैं कि सुबह उठते ही फोन का इस्तेमाल करने से कई तरह के नुकसान हो सकते हैं। आज हम आपको बताएंगे कि सुबह उठते ही फोन का इस्तेमाल क्यों नहीं करना चाहिए।

हाल ही में यूनाइटेड किंगडम में करीब 2000 लोगों पर एक सर्वे कराया गया। इस सर्वे में पाया गया कि जो लोग सुबह उठकर फोन का इस्तेमाल करते हैं उनके दिन की शुरुआत स्ट्रेस से होती है। जिसके कारण उन्हें अपने कार्य करने में कई दिक्कतें आती हैं। विशेषज्ञों की मानें तो , सुबह उठते ही जब हम मोबाइल में नोटिफिकेशन देखते हैं, हमारा दिमाग सिर्फ उसी विषय के बारे में सोचने लगता है। जिसके कारण हमारा दिमाग किसी दूसरे काम में नहीं लगता है। ऐसा करने से हमारे कार्यक्षमता पर भी असर पड़ता है। सुबह उठते ही जब हम किसी चीज के बारे में सोचने लगते हैं। लगातार उस विषय के बारे में सोचने से हमें तनाव और ऐंग्जाइटी होने लगती है। ऐसा कहा जाता हैं कि सुबह के वक्त कई लोगों का ब्लड प्रेशर बढ़ा हुआ होता है।

ऐसे में ज्यादा तनाव लेने से ब्लड प्रेशर लेवल और बढ़ सकता है। इसके कारण आपको कई गंभीर बीमारियों का सामना करना पड़ सकता है। सुबह उठते ही जब हम अपनी मेल या नोटिफिकेशन चेक कर रहे होते हैं। तब हम बीते दिनों की बातों को पढ़ रहे होते है। जिसके कारण हम अपने वर्तमान को भूलकर अतीत में जीने लगते हैं। इसकी वजह से आप अपना मन और दिमाग को वर्तमान में नहीं लगा पाते हैं। जिसके कारण आपके दिन की शुरुआत अच्छे ढ़ंग से नहीं होती है। एक्सपर्ट्स के अनुसार सुबह उठते ही फोन का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। आप सुबह उठने के बाद मेडिटेशन और योगा भी कर सकते हैं। मेडिटेशन और योगा करने से आपका मन और दिमाग को शांति की प्राप्ति होगी। जिसकी वजह से आप अपने कार्य बेहतर तरीके से कर पाएंगे।

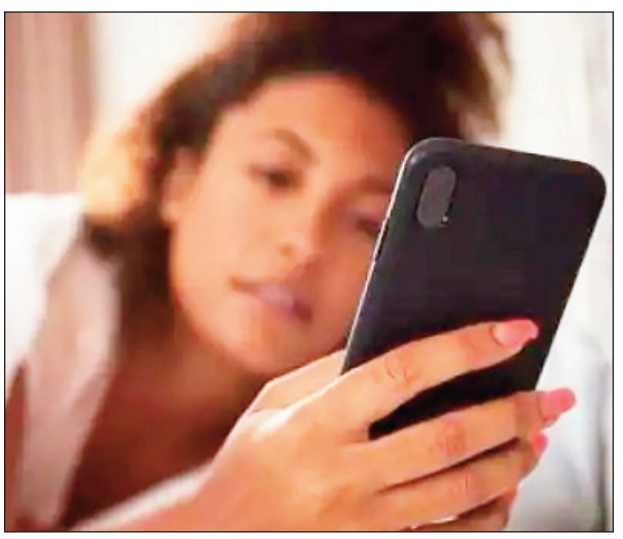

देहरादून के डीआईजी ने किया दिल जीत लेने वाला काम

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 21 जुलाई , आंध्र प्रदेश से चार धाम यात्रा के लिए देवभूमि आयी महिला श्रद्धालुओं ने देहरादून में डीआईजी दिलीप सिंह कुंवर से पुलिस कार्यालय में मुलाकात की। उन्होंने बताया की उनके परिवार से 5 महिलाएं और एक पुरुष तेलंगाना से वैष्णो देवी की यात्रा पर गए थे, वैष्णो देवी में दर्शन करने के बाद वे सभी चार धाम यात्रा के लिए उत्तराखंड आए थे। लेकिन गंगोत्री धाम के दर्शन करने के दौरान ज्यादा बारिश होने के कारण वे सभी लोग आंध्र प्रदेश वापस जाने के लिए बस से देहरादून आ गए,

परंतु देहरादून आने के बाद उनका बैग कही गुम हो गया, जिसमें उनके आधार कार्ड, वापसी के टिकट, 35 हज़ार रुपये नगद, मोबाइल तथा अन्य सामान था, लिहाज़ा अब उनके पास वापस जाने के पैसे नहीं है, तथा उनमें से एक बुजुर्ग महिला की तबीयत खराब होने के कारण उसे दून अस्पताल ले जाया गया है, जिस पर डीआईजी ने मानवीय पहल करते हुए न सिर्फ तत्काल एक पुलिसकर्मी को बुजुर्ग महिला के इलाज की व्यवस्था सुनिश्चित

करने हेतु दून अस्पताल भिजवाया साथ ही सभी श्रद्धालुओं के देहरादून से दिल्ली जाने के लिए वाहन का इंतेजाम करवाया गया और दिल्ली से तेलंगाना के लिए रेलवे टिकट की व्यवस्था सुनिश्चित करने के आदेश दिए गए

डीआईजी ने अधिनस्थ अधिकारियों के द्वारा इसके अतिरिक्त मार्ग में खाने-पीने व अन्य व्यय के लिए उक्त महिला श्रद्धालुओं को नगद धनराशि देते हुए उनकी सहायता की । पुलिस से मिली तत्काल सहायता से भावुक होते हुए इन सभी महिला श्रद्धालुओं ने पुलिस उपमहानिरीक्षक/ वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देहरादून का आभार जताया और उत्तराखंड पुलिस की कार्यशैली की दिल खोल कर प्रशंसा की ।

धरती पर कब पड़ी थी सबसे अधिक गर्मी ?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 21 जुलाई : दिल्ली-एनसीआर समेत भारत के कई हिस्सों में भारी बारिश की वजह से तापमान में गिरावट आई है. लेकिन अमेरिका-यूरोप के तमाम देशों में लोग झुलसाती गर्मी झेलने को मजबूर है. पिछले कुछ हफ्तों से यहां तापमान अचानक बढ़ रहा है. सड़कें पिघल रही हैं. पानी पी पीकर लोगों का बुरा हाल है. यहां तक कहा जा रहा कि अब शरीर इतनी गर्मी बर्दाश्त नहीं कर पाएगा. लेकिन क्या आपको पता है कि धरती पर सबसे अधिक गर्मी कब पड़ी थी वह जगह कौन सी है नाम जानकर आप हैरान रह जाएंगे

गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स ने इसकी जानकारी शेयर की है. उन्होंने लिखा, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आपको कितनी गर्मी और पसीना आ रहा है, अपने आप को भाग्यशाली मानें कि आप 1913 में कैलिफोर्निया में नहीं थे कम से कम, हममें से अधिकांश लोग उस वक्त वहां मौजूद नहीं थे. पृथ्वी पर सबसे अधिक तापमान अमेरिका के कैलिफोर्निया के डेथ वैली स्थित ग्रीनलैंड रैंच में दर्ज किया गया था. अब इस जगह का नाम बदलकर फरनेस क्रीक रेंच कर दिया गया है. गिनीज बुक के मुताबिक, 10 जुलाई 1913 का वह दिन था जब तापमान 56.7°C यानी 134°F दर्ज किया गया था. पहले यह दावा किया जाता था कि 1922 में लीबिया के एल अजीजिया में 58°C तापमान रिकॉर्ड किया गया था जो सर्वाधिक था. लेकिन जब विश्व मौसम विज्ञान संगठन ने इसकी जांच की तो सितंबर 2012 में इसे सही नहीं मापा. जांच में पता चला कि कई कारक थे, जिनकी वजह से इस तापमान में 7 डिग्री सेल्सियस तक की कमी हो सकती है. इसलिए यह तापमान गलत हो सकता है. क्योंकि इसे डामर जैसी सतह पर रिकॉर्ड किया गया था जो मूल रेगिस्तानी मिट्टी का उचित प्रतिनिधित्व नहीं करती.

फरनेस क्रीक में आज भी तापमान 46°C तक पहुंच जाता है, जिसकी वजह से यह धरती पर ज्ञात सबसे गर्म स्थान बन जाता है. बता दें कि धरती और भी गर्म है. डेथ वैली, जहां 15 जुलाई 1972 को तापमान 93°C दर्ज किया गया था. जाहिर तौर पर यह ऐसी जगह है जहाँ आप पैर नहीं रख पाएंगे. यह जगह समुद्र तल से लगभग 190 फीट (57.9 मीटर) नीचे है. इसके गर्म होने की एक वजह है, क्योंकि हवा नीचे जाने पर गर्म हो जाती है. एक और इंट्रेस्टिंग फैक्ट्स है. जो तापमान पर थर्मामीटर से मापते हैं, वह सामान्य तापमान से अलग हो सकता है. हेल्थलाइन के अनुसार, बिना नमी के 29°C (85°F) वाला तापमान हवा में 26°C जैसा महसूस हो सकता है. लेकिन अगर आर्द्रता 80% हो गई तो यह 36°C हो जाएगा. बता दें कि जब तापमान 32-40°C के बीच होता है, तो लोगों को गर्मी में ऐंठन और थकावट का अनुभव हो सकता है. 54°C से अधिक तापमान अक्सर हीट स्ट्रोक का कारण बन सकता है. आप जानकर हैरान होंगे कि डेथ वैली में भीषण तापमान के बावजूद हर साल 300 से अधिक लोग वहां रहते हैं.

डेंगू के खतरे के बीच जानिए प्लेटलेट्स क्या होते हैं ?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 21 जुलाई , मानसून सीजन जारी है और देश के कई राज्यों को भारी बारिश का सामना करना पड़ रहा है. बारिश के मौसम में डेंगू, मलेरिया और चिकन-गुनिया जैसी खतरनाक और जानलेवा बीमारियों का खतरा भी बढ़ गया है. इतना ही नहीं कई शहरों में पिछले 15 दिनों में डेंगू के मरीज भी बढ़े हैं. माना जा रहा है कि जिस तरह से पिछले दिनों हुई तेज बारिश के कारण बाढ़ जैसे हालात बने हैं, इससे डेंगू सहित अन्य रोगों का भी खतरा बढ़ गया है. हाल ही में जुलाई के महीने तक देश में डेंगू के 136 मामले सामने आए हैं. अस्पतालों में रोगियों की संख्या बढ़ रही है, हालांकि ज्यादातर लोग ठीक होकर घर भी लौट रहे हैं.

प्लेटलेट्स क्या होते हैं?

प्लेटलेट्स या थ्रोम्बोसाइट्स, हमारे रक्त में छोटे, रंगहीन कोशिकाओं के टुकड़े होते हैं जो थक्के बनाते हैं और रक्तस्राव को रोकते हैं. प्लेटलेट्स हमारे बोन मैरो में बनते हैं. स्वस्थ व्यक्ति के शरीर में प्लेटलेट काउंट 1.5 लाख से 4.5 लाख तक प्लेटलेट्स प्रति माइक्रोलीटर ब्लड तक होती है. वहीं 4.5 लाख से अधिक प्लेटलेट्स होने को थ्रोम्बोसाइटोसिस और इसकी मात्रा 1.5 से कम होने को थ्रोम्बोसाइटोपेनिया के रूप में जाना जाता है. माना जाता है कि डेंगू के मरीजों में प्लेटलेट काउंट कम होने की समस्या अधिक होती है.

डेंगू में लो प्लेटलेट्स की समस्या

डेंगू में हमारा बोन मैरो सप्रेस हो जाता है, जिसके कारण प्लेटलेट उत्पादन में कमी आती है. जिसमें डेंगू वायरस से प्रभावित रक्त कोशिकाएं प्लेटलेट्स को नुकसान पहुंचाकर उन्हें नष्ट करने लगती हैं. इस दौरान डेंगू में बनने वाली एंटीबॉडीज से भी प्लेटलेट्स कम होने लगता है. डेंगू की गंभीर बीमारी के तीसरे-चौथे दिन तक प्लेटलेट काउंट आमतौर पर कम रह सकता है.

हालांकि, आठ से नौंवे दिन में इसमें सुधार भी आने लग जाता है क्योंकि, प्लेटलेट्स रक्त के थक्के बनाने में मदद करते हैं, इसलिए शरीर में इसकी कमी होने के कारण डेंगू के मामलों में उल्टी या शौच के साथ खून आने की समस्या हो सकती है. डॉक्टर का मानना हैं, डेंगू बुखार के मौसम के दौरान सभी लोगों को अपने प्लेटलेट काउंट को बढ़ाने की कोशिश करनी चाहिए ताकि संक्रमण से लड़ने में मदद मिल सके.

प्लेटलेट्स बढ़ाने के तरीके

विटामिन सी आपके प्लेटलेट्स बढ़ाने का काम करता है. यह आपके आयरन को खत्म करने में भी मदद करता है, जिससे प्लेटलेट काउंट बढ़ाने में भी मदद मिल सकती है. माना जाता है कि विटामिन सी सप्लीमेंट लेने वाले रोगियों में प्लेटलेट काउंट बढ़ जाता है जिसके लिए आपको आम, अनानास, ब्रोकोली, हरी या लाल शिमला मिर्च, टमाटर और फूलगोभी का सेवन करना चाहिए.

क्यों हैं सलवार सूट इंडियन लड़कियों की सबसे पॉपुलर पसंद

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 21 जुलाई : सलवार सूट अधिकतर भारतीय लड़कियों की पहली पसंद हैं। सलवार सूट पारंपरिक होने के साथ साथ हमेशा फ़ैशन में रहते हैं और यही कारण हैं की हर लड़की के कपड़ों के संग्रह में सलवार सूट ज़रूर होता हैं। सलवार सूट आरामदायक होते हैं इसके साथ ही इसके और भी बहुत से फायदे हैं जिसकी वजह से यह भारतीय लड़कियों में सलवार सूट इतने लोकप्रिय हैं। क्यों हैं सलवार सूट इंडियन लड़कियों की सबसे पॉपुलर पसंद आइये जाने

सलवार सूट किसी भी अवसर के लिए उपयुक्त परिधान हैं चाहे वो शादी हो,कोई उत्सव या त्यौहार। रोज़ाना पहनने के लिए भी सलवार सूट सबसे अच्छा चुनाव हैं। यह भी एक कारण हैं की भारतीय महिलाओं में सलवार सूट इतने लोकप्रिय हैं। सलवार सूट पहनने में आसान और आरामदायक हैं। साड़ी की तरह न तो इसमें प्लेट्स और पल्लू का झंझट होता हैं और न ही अन्य किसी परिधान की तरह यह असुविधाजनक होता हैं। बस एक बार पहन लिया तो पूरा दिन बिना किसी समस्या से निकल जाता हैं।

सलवार सूट की विशाल रेंज भारतीय बाजार में उपलब्ध हैं। अवसर के अनुसार आप अपनी पसंद का सलवार सूट चुन सकते हैं जैसे रोज पहनने के लिए, ऑफ़िस के लिए या किसी अवसर के अनुसार। इसके अलावा पूरे भारत में सलवार सूट आसानी से उपलब्ध हैं। इन्हें आप विभिन्न रंगों, डिजाइनों, प्रिंटों, साइज़ों या कीमत पर ऑनलाइन या बाजार में कहीं से भी आसानी से खरीद सकते हैं। सलवार सूट का आप किसी भी एक्सेसरीज से मिलान कर के आप अपनी ख़ूबसूरती को ओर अधिक बढ़ा सकती हैं जैसे गहने, क्लच बैग , झोले, ऊँची एड़ी के जूते, स्कार्फ, जड़ाऊ चप्पल, मोजड़ी और अपनी पसंद से अन्य किसी सामग्री का चुनाव कर सकते है ।

क्यों लग जाती है सिगरेट की लत जिसे छोड़ना होता है मुश्किल

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 21 जुलाई , सिगरेट को छोड़ना इतना मुश्किल क्यों है? सिगरेट पीने वाले इससे दूरी क्यों नहीं बना पाते. वैज्ञानिकों ने अलग-अलग रिसर्च में सवाल के जवाब को समझने की कोशिश की. ऑस्ट्रेलिया में हुई एक स्टडी कहती है कि 60 से 75 फीसदी लोग सिगरेट छोड़ने के 6 माह के अंदर इसे वापस पीना शुरू कर देते हैं. इसकी वजह है एडिक्शन यानी लत, जो इस कदर सिगरेट पीने वालों को अपनी जद में लेती है कि उन्हें इसे छोड़ना मुश्किल हो जाता है.ऐसा बिल्कुल नहीं है कि सिगरेट को छोड़ना नामुमकिन है, लेकिन सवाल है कि इसे छोड़ना मुश्किल क्यों हो जाता है और क्या कहता है विज्ञान.

क्यों लगती है सिगरेट की लत ?

सिगरेट की लत लगने के पीछे विज्ञान का एक फंडा है. दरअसल, जब कोई इंसान सिगरेट पीता है तो उसमें मौजूद तम्बाकू जलता है. जलता हुआ तम्बाकू निकोटीन रिलीज करता है. यह निकोटीन सिगरेट पीने वाले के ब्लड के जरिए फेफड़ों तक पहंचता है. निकोटीन की पहुंच दिमाग तक बढ़ती है और ब्रेन में मौजूद निटोटिनिक एसिटिलकोलीन रिसेप्टर को एक्टिवेट करता है.जब भी कोई इंसान सिगरेट को छोड़ना चाहता है तो सिगरेट और उसे उससे मिलने वाली खुशी के खास अहसास की चेन टूटती है. नतीजा, वो वापस उसी खुशी के अहसास को पाना चाहता है. यही वजह है कि उस इंसान के लिए सिगरेट को छोड़ पाना मुश्किल हो जाता है.विश्व स्वास्थ्य संगइन (WHO) का कहना है कि दुनियाभर मौत के लिए कई बड़े कारण जिम्मेदार हैं, उसमें से स्मोकिंग बड़ा फैक्टर है. दुनियाभर में होने वाली 14 फीसदी मौतों की वजह स्मोकिंग और इससे जुड़ी बीमारियां हैं. पिछली कुछ रिसर्च बताती हैं कि दुनियाभर में सिगरेट पीना एक चलन बन गया है जिसका दायरा बढ़ता जा रहा है.

इस लड़की ने लगातार 100 दिन 9 घंटे सोकर बनाया रिकॉर्ड, जीते 6 लाख रुपए

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

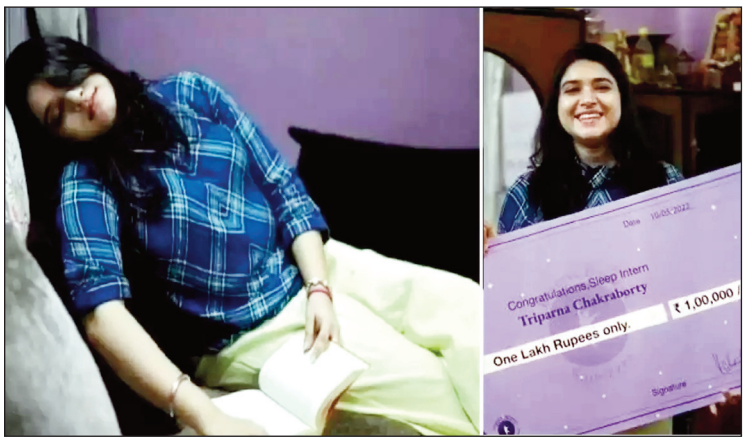

ब्यूरो रिपोर्ट 21 जुलाई : दुनिया में सभी लोगों को सोन की जरूरत पड़ती है। कई लोग आठ-आठ घंटे तक सोते हैं, तो कुछ लोग कम ही नींद लेते हैं। हालांकि स्वस्थ रहने के लिए हर इंसान को कम से कम छह घंटे सोना चाहिए। यह भी व्यक्ति की उम्र पर निर्भर करता है। अब एक लड़की ने सोने के मामले में साढ़े चार लाख लोगों को पीछे छोड़ दिया है। यह लड़की पश्चिम बंगाल की रहने वाली है। पश्चिम बंगाल के हुंगली की रहने वाली लड़की ने सबसे अच्छी नींद का खिताब जीता है। इस खिताब को जीतने के बाद लड़की को छह लाख रुपये का इनाम दिया गया है।

खिताब जीतने वाली लड़की का नाम त्रिपर्णा है जो हुगली के श्रीरामपुर की रहने वाली है। सर्वश्रेष्ठ नींद में सोने की प्रतियोगिता रखी गई थी जिसमें लड़की समेत साढ़े चार लाख लोगों ने हिस्सा लिया था। लेकिन लड़की ने सभी लोगों को सर्वश्रेष्ठ नींद में सोने के मामले में पीछे छोड़ दिया और खिताब अपने नाम कर लिया।

खिताब जीतने के बाद त्रिपर्णा ने मीडिया को बताया कि उनको एक ऑनलाइन वेबसाइट से माध्यम से इस प्रतियोगिता के बारे में जानकारी मिली थी। उन्होंने कहा कि वेबसाइट से पता चला कि ऑल इंडिया लेवल पर इस प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। इसके बाद त्रिपर्णा इस प्रतियोगिता में शामिल हुईं। इस सोने वाली प्रतियोगिता में साढ़ चार लोगों ने हिस्सा लिया था। इस प्रतियोगिता में 15 लोगों को चयनित किया गया था जिसमें फाइनल स्तर के लिए चार लोगों को चुना गया था। फाइनल में हुगली के श्रीरामपुर की रहने वाली त्रिपर्णा ने सर्वश्रेष्ठ सोने वाले व्यक्ति का खिताब जीत लिया।

इस प्रतियोगिता में हर शख्स को एक मैट्रेस और एक स्लीप ट्रैकर मिला था। इसमें सभी को सबसे अधिक नींद में सोया था। त्रिपणा ने लगातार 100 दिन 9 घंटे तक सोया और अपने नाम रिकॉर्ड दर्ज कर लिया। इस खिताब को जीतने के बाद उनको 6 लाख रुपये का इनाम भी दिया गया है। उनको एक-एक लाख रुपये के 6 चेक मिले हैं। त्रिपर्णा चक्रवर्ती को बचपन से ही सोने का शौक था। उनका कहना है कि कई बार परीक्षा के समय भी वह सो गई थीं। त्रिपर्णा इस समय अमेरिका की कंपनी में काम करती हैं और वर्क फ्रॉम होम कर रही हैं।

संपादकीय

विपक्षी गठबंधन की सीमाएं

यह हमारा सरोकार नहीं है कि विपक्ष को गठबंधन के मोर्चे तक लाने वाले नीतीश कुमार 'इंडिया' से नाखुश हैं और असहज भी हैं। खुद उन्होंने ऐसी अटकलों को खारिज किया है और दोहराया है कि विपक्ष एकजुट आगे बढ़ेगा और 2024 की लड़ाई जीतेगा। अलबत्ता विपक्षी गठबंधन के कुछ चेहरे और बयान दो दिन में ही सार्वजनिक होने लगे हैं कि राज्यों के राजनीतिक गठबंधन और उनके संतुलन भिन्न होते हैं, लिहाजा राज्यों में चुनावी गठबंधन स्थानीय नेता और काडर ही तय करेंगे। बड़ा सहज सवाल है कि राष्ट्रीय स्तर पर 'इंडिया' की स्थापना के तुरंत बाद, बेंगलुरु में ही, सीपीएम के महासचिव सीताराम येचुरी को यह बयान देने की क्या जरूरत थी कि पश्चिम बंगाल में हम लोकतंत्र की हत्या करने वाली तृणमूल कांग्रेस के साथ गठबंधन नहीं कर सकते? येचुरी अपनी पार्टी के शीर्षस्थ नेता हैं, लिहाजा उनके बयान के मायने समझे जा सकते हैं। कुछ ऐसे ही बयान पंजाब से आए हैं, जिनमें राज्य में आम आदमी पार्टी (आप) और कांग्रेस के बीच गठबंधन की किसी भी संभावना को खारिज किया गया है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और उनके पार्टी प्रवक्ता कह रहे हैं कि हमने राज्यों के सामंजस्य को एक तरफ रखा है। 'इंडिया' की लड़ाई देश, संविधान, लोकतंत्र बचाने की है। उसके मद्देनजर ही समविचारक दल एक साझा मंच पर जमा हुए हैं और यह मोर्चा बना है। हम एक हकीकत स्पष्ट कर दें कि न तो देश को कुछ हुआ है और न ही संविधान, लोकतंत्र खत्म होने जा रहे हैं। इनसे ज्यादा शक्तिशाली देश में और कोई ताकत नहीं है। प्रधानमंत्री भी हैं, तो इन्हीं की व्यवस्था के मुताबिक हैं। फिजूल मिथक थोपे जा रहे हैं। देश की विभिन्न सरकारों ने, अपने-अपने कालखंड में, ऐसे निर्णय जरूर लिए होंगे, जिनके मद्देनजर तत्कालीन विपक्ष ने भ्रामक व्याख्याएं कर जनता को डराया होगा! हमें तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का 'आपातकाल' वाला तानाशाही ऐलान कभी नहीं भूलना चाहिए, क्योंकि तब पहली और आखिरी बार संविधान, लोकतंत्र बंधक बना लिए गए थे। न्यायपालिका में मनमाफिक हस्तक्षेप किए गए, भारतीय प्रेस परिषद को भंग कर उस पर ताले लटका दिए गए, विपक्ष के नेताओं और कुछ पत्रकारों को 19 महीने तक जेल में ठूंस दिया गया था।

मुख्य विकास अधिकारी कमठान की अध्यक्षता में हुई जल जीवन मिशन की समीक्षा बैठक

देहरादून। जिलाधिकारी के निर्देशों के अनुपालन में आज ऋषिपर्णा सभागार कलेक्ट्रेट में मुख्य विकास अधिकारी सुझरना कमठान की अध्यक्षता में जल जीवन मिशन की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। मुख्य विकास अधिकारी ने निर्देश दिए कि जल जीवन मिशन के अन्तर्गत आच्छादित स्कूलों एवं विद्यालयों की शेष सत्यापन कार्यों में तेजी लाते हुए रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिए कि पी-2 के अन्तर्गत कार्य जुलाई माह तक दिए गए लक्ष्य के सापेक्ष कार्य प्रगति की जानकारी प्राप्त करने पर बताया गया वर्ष 2023-24 में जुलाई माह तक दिए गए लक्ष्य 84 के सापेक्ष 23 योजना पूर्ण कर ली गई है, शेष पर कार्य गतिमान है, जिसे शीघ्र पूर्ण कर लिया जाएगा। इस पर मुख्य विकास अधिकारी ने शेष कार्यों को 31 जुलाई तक पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने जल जीवन मिशन के अन्तर्गत आच्छादित ग्राम पंचायतों से प्रधानों से प्रमाण पत्र प्राप्त करवाने के निर्देश दिए। पी-2 टैण्डरिंग प्रक्रिया/कार्यों की जानकारी प्राप्त करने पर अवगत कराया कि 426 टैण्डर किये गए हैं, जिनमें 418 पर जुलाई माह में कार्यदेश जारी हो गए हैं, तथा 08 पर कार्यदेश जारी होनें है एवं 306 पर कार्य प्रारम्भ हो गया है।

उन्होंने गुणवत्ता अनुश्रवण एवं निगरानी कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए साथ ही महिलाओं को प्रशिक्षित करते हुए महिलाओं को जागरूक भी करें। जानकारी देते हुए अवगत कराया गया कि लक्ष्य 3190 के सापेक्ष 2950 महिलाओं को पेयजल गुणवत्ता जांच करने हेतु पंजीकृत किया गया है, जिस पर मुख्य विकास अधिकारी ने महिलाओं को प्रशिक्षण के साथ ही जागरूक करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने जिला पंचायतीराज अधिकारी को निर्देश दिए कि अंशदान पर ग्राम प्रधानों के साथ वार्ता करें। साथ ही निर्देशित किया कि जिन क्षेत्रों में योजना को ड्राप किया जा रहा है, ऐसे क्षेत्रों में योजना ड्राप करने का स्पष्ट विवरण दिया जाए।मुख्य विकास अधिकारी ने निर्देश दिए कि विभाग जल संरक्षण एवं जलसवंर्धन हेतु चालखाल, चैकडेम स्त्रोत कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। साथ ही अपने क्षेत्र में कार्यक्रम करते हुए फोटो साझा करने के निर्देश दिए। बैठक में अपर जिलाधिकारी प्रशासन डॉ एस के बरनवाल, जिला विकास अधिकारी सुशील मोहन डोभाल अधीक्षण अभियन्ता उत्तराखण्ड पेयजल निगम डी.के बंसल, अधि0अभि सिंचाई राजेश लांबा, जिला पंचायतीराज अधिकारी विद्याधर सोमनाल, अधि अभि पेयजल निगम मीशा सिंह सहित सम्बन्धित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

दैनिक न्यूज़ वायरस

संपादक : मौ.सलीम सैफी, कार्यकारी संपादक : आशीष कुमार तिवारी न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक मौ.सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से प्रकाशित एवं न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून से मुद्रित। **फ़ोन :** 0135-4066790, 2672002 **RNI No. :** UT-THIN/2012/44094 **Cert. Ser. No. :** 31406 **E-mail :** dainiknewsvirus@gmail.com **Website :** www.newsvirusnetwork.com **YouTube :** TV News Virus
न्याय क्षेत्राधिकार : जनपद देहरादून (उत्तराखंड), भारत

कांवड़ मेले के दौरान पनीर के सैंपल फेल, डॉ आर राजेश कुमार की पढ़िए सख्त चेतावनी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 21 जुलाई , प्रदेश सरकार चारधाम यात्रा मार्ग और हरिद्वार में कांवड़ मेले के दौरान मिलावटी खाद्य पदार्थों को लेकर सख्त रही। खाद्य सुरक्षा और औषधि प्रशासन ने यात्रा मार्ग और कांवड मेले के दौरान होटल, रेस्तरां और अन्य प्रतिष्ठानों पर छापेमारी कर खाद्य पदार्थों के सैंपल परीक्षण के लिए लिए। चार महीने से चल रहे इस अभियान के तहत 221 नमूने परीक्षण के लिए एकत्रित किये गये। जांच में हरिद्वार में दो और ऊधमसिंह नगर में पनीर के चार सैंपल असुरक्षित पाए गये। इनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा रही है। खाद्य सुरक्षा और औषधि प्रशासन के आयुक्त डा. आर. राजेश कुमार ने कहा कि मिलावट करने वाले प्रतिष्ठानों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि औचक निर ीक्षण अभियान जारी रहेगा।

अभियान के तहत संयुक्त टीम द्वारा चारधाम यात्रा मार्ग, पर्यटक स्थलों एवं कांवड़ मेला क्षेत्रान्तर्गत स्थित जनपदों में संचालित होटल रिसोर्ट, रेस्टोरेन्ट एवं खाद्य पदार्थ भण्डारण स्टोरों तथा फुटकर और थोक खाद्य विक्रेताओं के प्रतिष्ठानों/निर्माण ईकाइयों का औचक निरीक्षण किया गया। जांच के दौरान रोजमर्रा के प्रयोग में लाये जाने वाले खाद्य पदार्थों के कुल 221 नमूने (मसाले दुग्ध एवं दुग्ध उत्पाद, दाले, खाद्य तेल, शीतल पेय आदि) जॉच के लिए एकत्रित करते हुये राज्य खाद्य एवं औषधि विश्लेष-णशाला रुद्रपुर को भेजे गये। जांच के बाद हरिद्वार में सहारनपुर से वाहनों से आपूर्ति किये जा रहें पनीर के दो नमूने असुरक्षित पाये गये हैं। जिन पर जनपद स्तर से विधिक कार्यवाही से अमल में लायी जायेगी। विभाग ने यूपी खाद्य आयुक्त को मिलावटी खाद्य पदार्थ बेचने वालों के खिलाफ कार्रवाई के लिए पत्र लिखा है।

इसके अलावा ऊधमसिंह नगर से एकत्रित किये गये पनीर के चार सैंपल भी असुरक्षित मिले हैं। पनीर व्यापारियों के खिलाफ खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत सीजीएम कोर्ट में वाद दायर करने की स्वीकृति आयुक्त स्तर से प्रदान की गई है। गौरतलब है कि डा. आर राजेश कुमार ने खाद्य सुरक्षा और औषधि प्रशासन को सख्त निर्देश दिये हैं कि मिलावटी खाद्य पदार्थ बेचने वालों से सख्ती से निपटा जाए। उन्होंने जनता से भी अपील की है कि दुग्ध एवं दुग्ध उत्पादों का खरीदते समय निर्माण तिथि, उपभोग की तिथि व दुकान का खाद्य लाइसेंस, पंजीकरण अवश्य देखें। निम्न गुणवत्ता की खाद्य सामग्री विक्रय किये जाने पर टोलफ्री न0- 18001804246 पर शिकायत करें।

कांग्रेस के प्रदर्शन में हुआ मिर्ची स्प्रे का इस्तेमाल, डीजीपी से मिला डेलिगेशन

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 21 जुलाई , उत्तराखडं युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष सुमित्तर भुल्लर ने कहा कि हमारे प्रदेश का युवा जो चाहता है जो प्रदेश की महिलाओं के अंदर असुरक्षा का भाव है उनसे जुड़े सारे सवालो को पूछने के लिए और उन तमाम सवालों के बारे में जिनपे सरकार बात नही करना चाहती और नजर अंदाज कर रही है इसी कड़ी में उत्तराखंड युवा कांग्रेस के साथी वरिष्ठ कांग्रेस जन एवं एन०एस०यू ०आई के साथियों के साथ मिलकर शांतिपूर्ण तरह से सचिवालय कूच करने गए थे लेकिन बहुत दुःखद घटना का सामना करना पड़ा। हम लगातार भाजपा शासित सरकार को तनाशा कहते आय है जिसका जीता जागता प्रमाण कल की घटना ने स्वयं व्यक्त किया ।

भुल्लर ने कहा कि यह प्रदेश बहुत ही शांति पूर्वक प्रदेश है और इसको देवभूमि से जाना जाता है लेकिन पिछले कुछ समय से यह प्रदेश नेगेटिव कारणों से जानने जाने लगा है उत्तराखंड राज्ये की प्राप्ति युवाओं,छात्रों ,महिलाओं सभी के योगदान बलिदान से प्राप्त हुआ है जो सचिवलय कूच था व उन सभी जवलंत मुद्दों को आधार बना कर रखा गया था जिसपर सरकार खामोश है । प्रदेश में जब जब युवाओं पर महिलाओं पर अत्याचार होगा तो युवा कांग्रेस चुप नहीं बैठेगी और सरकार से जवाब जरूर मांगेगी।

प्रभारी शिवि चौहान ने बेंगलुरु में होने वाले भारतीय राष्ट्रीय युवा कांग्रेस द्वारा अधिवेशन के बारे में भी विस्तृत चर्चा की गई और जो यह मानवीय घटना सचिवालय कूच के दौरान हुई है उसको बंगलुरु अधिवेशन में भी उठाने की बात प्रभारी चौहान द्वारा कही गई और इस मुद्दे को राष्ट्रीय स्तर पर भी उठाने की बात उन्होंने कही । प्रेस वार्ता में प्रदेश प्रभारी शिवि चौहान, मुख्य प्रवक्ता गरिमा माहरा दसौनी, मीडिया प्रभारी शिवा वर्मा, प्रदेश अध्यक्ष एनएसयूआई विकास नेगी, प्रदेश अध्यक्ष सोशल मीडिया विकास नेगी, प्रदेश महासचिव नवीन रमोला, प्रदेश महासचिव देवेश उनियाल उपस्तिथ रहे ।

उत्तराखंड युवा कांग्रेस के प्रतिनिधि मडल ने पुलिस महानिदेशक अशोक कुमार से भेंट की और उनको सचिवालय कूच के दौरान मिर्ची स्प्रे पुलिस द्वारा जो प्रयोग किया गया था उस से अवगत कराया साथ ही उन्हें यह भी बताया कि इस मिर्ची स्प्रे से बच्चे, बुजुर्ग, युवा ,आमजन सभी शिकार हुए कई लोगों को अस्पताल में भर्ती होना पड़ा और ऐसी घटना की पुनरावृत्ति ना हो इसके लिए जरूरी होगा कि दोषी पुलिस कर्मियों को चयनित कर दंडित किया जाए । इस पूरे प्रकरण पर प्रदेश अध्यक्ष सुमित्तर भुल्लर ने कहा कि अगर जल्दी उत्तराखंड पुलिस महानिदेशक इस पर उचित कार्रवाई नहीं करेंगे तो आने वाले समय में पुलिस मुख्यालय का घेराव युवा कांग्रेस करेगी । प्रतिनिधिमंडल में प्रदेश अध्यक्ष सुमित्तर भुल्लर ,प्रदेश मीडिया प्रभारी शिवा वर्मा ,संग्राम सिंह पुंडीर, नवीन रमोला ,प्रियांश छाबड़ा, दिवेश उनियाल ,तुषार जैसवाल मौजूद रहे ।

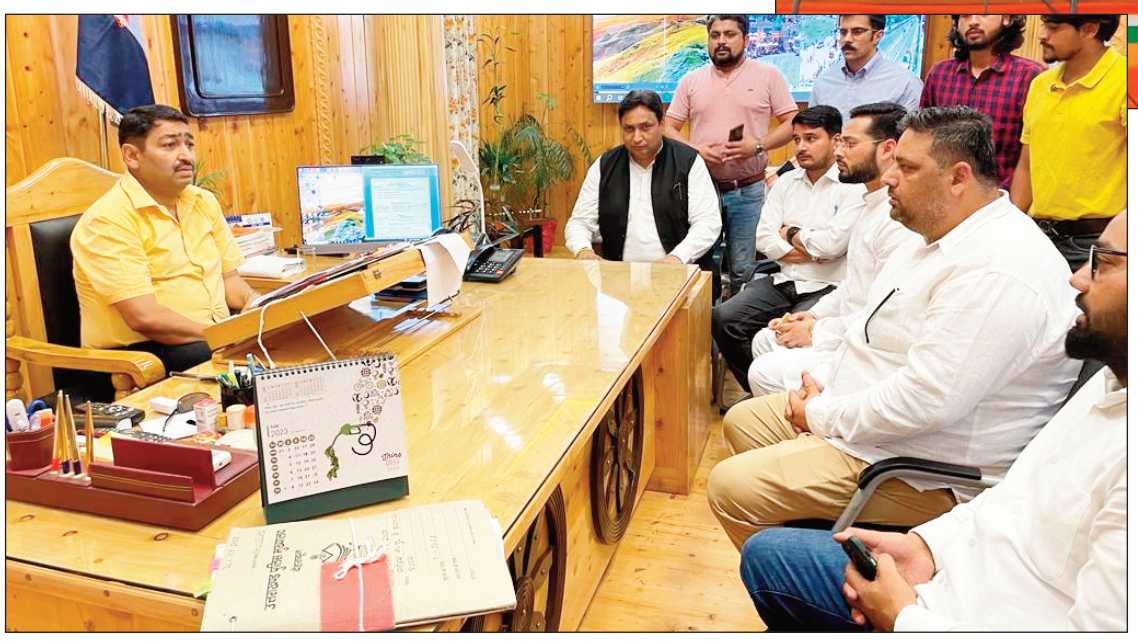

डायबिटीज का नया लक्षण आया सामने, दिखते ही तुरंत कराएं जांच

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 21 जुलाई : डायबिटीज एक सामान्य स्थिति है जो इंडिया में काफी तेजी से फैल रही है. इन सभी मामलों में से 90 प्रतिशत मामले टाइप 2 डायबिटीज के हैं. ऐसा दावा किया गया है कि अगर आपके मुंह से असामान्य गंध आती है तो आपकी ब्लड शुगर हाई हो सकती है यानी आपको डायबिटीज हो सकती है.फल जैसी गंध वाली सांस डायबिटिक कीटोएसिडोसिस का लक्षण हो सकती है जो डायबिटीज का पहला संकेत हो सकता है.

वेट वॉचर्स के अनुसार, डायबिटिक कीटोएसिडोसिस शरीर के अंदर एक प्रक्रिया है जिसमें इंसुलिन की कमी के कारण खून में हानिकारक कीटोन्स का निर्माण होता है, और यह डायबिटीज का एक असामान्य संकेत है. ऐसा दावा किया गया है कि डायबिटीज के कारण सांसों में दुर्गंध भी आ सकती है, क्योंकि इस स्थिति के कारण मुंह में ग्लूकोज का स्तर बढ़ सकता है ,बैक्टीरिया इस चीनी का उपयोग भोजन के रूप में करते हैं जो बाद में संक्रमण और मसूड़ों की बीमारी का कारण बनता है. मसूड़ों की बीमारी मुंह से दुर्गंध के सबसे आम कारणों में से एक है जिसमें मुंह से दुर्गंध आती है.

वेट वॉचर्स ने कहा, सांस से फलों जैसी गंध या स्वाद आती है तो वह डायबिटिक कीटोएसिडोसिस नामक खतरनाक स्थिति का संकेत हो सकता है. डायबिटीज कीटो-एसिडोसिस पहला संकेत भी हो सकता है कि आपको टाइप 1 डायबिटीज है. पर्याप्त इंसुलिन के बिना, आपके शरीर को ग्लूकोज से आवश्यक ऊर्जा नहीं मिल पाती है इसलिए यह फैट का उपयोग करने लगता है और कीटोन्स नामक कैमिकल उत्पन्न करता है. फिर जब आपके खून में बहुत अधिक कीटोन्स जमा हो जाते हैं ,तो यह आपके स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकते हैं. हालांकि फल जैसी गंध वाली सांस डीकेए की पहचान है लेकिन यह एकमात्र लक्षण नहीं है. आपको सांस लेने में भी परेशानी हो सकती है, त्वचा लाल हो सकती है या उल्टियां आ सकती हैं,

डायबिटीज के सबसे आम लक्षणों में कटना या घाव होना, जिसे ठीक होने में अधिक समय लगता है. साथ ही काफी अधिक प्यास के साथ अधिक पेशाब भी लगती है. यदि आप अपने आपमें डायबिटीज के चेतावनी संकेत या लक्षण देखते हैं या आपको लगता है कि आपको डायबिटीज का जोखिम हो सकता है तो आपको डॉक्टर से बात करनी चाहिए. इस स्थिति का इलाज काफी जरूरी है नहीं तो आगे चलकर हृदय रोग और स्ट्रोक सहित कुछ घातक बीमारियों का खतरा अधिक हो सकता हो सकता है.